पु•ना International School

Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

GRADE -4

HINDI

SYLLABUS FOR MONTH

JUNE - JULY

पाठ 1

मन के भोले भाले बादल

नए शब्द –

1 जिद्दी

2 बादल

3 शैतानियां

4 मतवाले

5 तोंद

6 मनमौजी

7 टकराने

8 भोले भाले

शब्दार्थ ----

1 झब्बर - घुँघराले

2 तोंद - बड़ा पेट

3 भोले भाले - शांत स्वभाव

4 टकराना - लड़ना

5 झूमना - नाचना

6 झर झर - गिरना

<u>पाठ्यपुस्तक से</u>

तुम्हारी समझ से

कभी-कभी ज़िद्दी बन करके
बाढ़ नदी-नालों में लाते

(क) बादल नदी-नालों में बाढ़ कैसे लाते होंगे?
उत्तर:
बादल अत्यधिक वर्षा बरसाकर नदी-नालों में बाढ़ लाते होंगे।
नहीं किसी की सुनते कुछ भी ।
ढोलक-ढोल बजाते बादल

(ख) बादल ढोल कैसे बजाते होंगे?
उत्तर: बादल आपस में टकराकर गर्जना करते हैं। उनकी यह गर्जना सुनकर ऐसा लगता है जैसे वे ढोल बजा रहे हैं।
कुछ तो लगते हैं तूफ़ानी
कुछ रह-रह करते शैतानी

(ग) बादल कैसी शैतानियाँ करते होंगे?
उत्तर: कभी तेज हवा के साथ पानी बरसा कर, कभी दिन रात मूसलाधार पानी बरसाकर बादल शैतानियाँ करते होंगे।

कैसा-कौन

	कैसा	कौन		कैसा	कौन
सूरज-सी	चमकीली	थाली	परियों-सा	प्यारा	पंख
चंदा-सा	गोरा	चेहरा	गुब्बारे-सा	फूला	मुँह
हाथी-सा	भारी-भरकम	व्यक्ति	ढोलक-सा	मोटा	पेट
जोकर-सा	मजेदार	आदमी			

कविता से आगे

(क) तूफान क्या होता है? बादलों को तूफ़ानी क्यों कहा गया है?

उत्तर:

तूफ़ान तेज हवा होती है। बादलों को तूफानी इसलिए कहा गया है क्योंकि कभी-कभी वे तेज हवा के साथ मूसलाधार वर्षा बरसाते हैं।

(ख) साल के किन-किन महीनों में ज़्यादा बादल छाते हैं?

उत्तर: जुलाई और अगस्त के महीनों में।

(ग) कविता में काले बादलों की बात की गई है। क्या बादल सचमुच काले होते हैं?

उत्तर: सभी-बादल काले नहीं होते। कुछ सफेद भी होते हैं।

(ख) कविता में बादल को 'भोला' कहा गया है। इसके अलावा बादलों के लिए और कौन-कौन से शब्दों का इस्तेमाल किया गया है? नीचे लिखे अधूरे शब्दों को पूरा करो।

उत्तर: मतवाले ज़िद्दी शैतान तूफ़ानी

बारिश की आवाजें

कुछ अपने थैलों से चुपके
झर-झर-झर बरसाते पानी
पानी के बरसने की आवाज़ है झर-झर-झर!
पानी बरसने की कुछ और आवाजें लिखो।

उत्तर: टप-टप-टप छप-छप-छप टिप-टिप-टिप रिमझिम-रिमझिम

मन के भोले-भाले बादल कविता का सारांश

इस कविता में भिन्न-भिन्न प्रकार के बादलों का चित्रण किया गया है। कवि कहता है कि इन बादलों के बाल झब्बरदार हैं और गाल गुब्बारे जैसा है। कुछ बादल जोकर की तरह तोंद फुलाए हैं कुछ हाथी-से सँड़

उठाएं हैं। कुछ ऊँटों-से कूबड़ वाले हैं और कुछ बादलों में परियों-से पंख लगे हैं। ये सभी बादल आपस में टकराते रहते हैं और शेरों से मतवाले लगते हैं। कवि आगे कहता है कि कुछ बादल तूफानी हैं, और शैतान हैं। वे अपने थैलों से अचानक पानी बरसा देते हैं। ये बादल कभी किसी का कुछ नहीं सुनते हैं। रह-रहकर छत पर दिख जाते हैं और फिर तुरंत उड़ जाते हैं। कभी-कभी ये बादल जिद पर अड़ जाते हैं और इतना पानी बरसाते हैं कि नदी-नालों में बाढ़ आ जाती है। कवि कहता है कि इन सबके बावजूद ये बादल अच्छे लगते हैं। ये मन के भोले-भाले हैं।

काव्यांशों की व्याख्या

1. झब्बर-झब्बर बालों वाले
गुब्बारे से गालों वाले
लगे दौड़ने आसमान में
झूम-झूम कर काले बादल।
कुछ जोकर-से तोंद फुलाए
कुछ हाथी-से सँड़ उठाए
कुछ ऊँटों-से कूबड़ वाले
कुछ परियों-से पंख लगाए
आपस में टकराते रह-रह
शेरों से मतवाले बादल।

शब्दार्थ : तोंद-मोटा पेट। मतवाले–मनमौजी।

प्रसंग-प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी पाठ्यपुस्तक 'रिमझिम भाग-4' में संकलित कविता 'मन के भोले-भाले बादल' से ली गई हैं। इसके कवि हैं-श्री कल्पनाथ सिंह। इसमें कवि ने बादल के भिन्न-भिन्न रूपों का वर्णन किया है।

व्याख्या-कवि कहता है कि बादलों के बाल झब्बरदार हैं। उनके गाल गुब्बारे जैसे हैं। वे आसमान में दौड़ने लगे। हैं। वे काले बादल हैं और झूम-झूम कर इधर-उधर आ-जा रहे हैं। कवि आगे कहता है कि कुछ बादल जोकर-जैसा पेट फुलाए हैं और कुछ हाथी से सँड़ उठाएँ हैं। कुछ बादलों के ऊँट-जैसे कूबड़ हैं और कुछ के परियों जैसे पंख हैं। ये सभी बादल आपस में रह-रहकर टकरा रहे हैं। ये शेरों जैसे मतवाले लगते हैं।

2. कुछ तो लगते हैं तूफ़ानी
कुछ रह-रह करते शैतानी
कुछ अपने थैलों से चुपके
झर-झर-झर बरसाते पानी
नहीं किसी की सुनते कुछ भी
ढोलक-ढोल बजाते बादल ।।
रह-रहकर छत पर आ जाते
फिर चुपके ऊपर उड़ जाते

कभी-कभी जिद्दी बन करके बाढ़ नदी-नालों में लाते
फिर भी लगते बहुत भले हैं।
मन के भोले-भाले बादल।

शब्दार्थ : तूफानी-तूफ़ान की तरह। जिद्दी-हठी। भले-अच्छे। भोले-भाले-निश्छल

प्रसंग-पूर्ववत् ।।

व्याख्या-बादलों के विभिन्न रूपों का वर्णन करते हुए कवि कहता है कि कुछ बादल बिल्कुल तूफ़ान जैसे लगते हैं। वे रह-रहकर शैतानी रुख अपना लेते हैं। और अपने थैलों में से झर-झर-झर पानी बरसा देते हैं।

कवि कहता है कि ये बादल कभी किसी को कुछ नहीं सुनते। बस आपस में टकराकर गर्जना करते रहते हैं, जिसे सुनकर ऐसा लगता है कि जैसे वे ढोल बजा रहे हों। ये बादल कभी छत पर दिख जाते हैं, फिर उड़ जाते हैं। कभी-कभी जिद पर अड़ जाते हैं और इतना पानी बरसाते हैं कि सभी नदी-नालों में बाढ़ आ जाती है। कवि कहता है कि इन सबके बावजूद ये बादल बहुत अच्छे हैं। ये मन के भोले-भाले हैं।

विलोम शब्द ---

1. अंकुश – निरंकुश
2. अंत – प्रारंभ
3. अंदर – बाहर
4. अंधकार – प्रकाश
5. अंधेरा – उजाला
6. अकलुष – कलुष
7. अकाल – सुकाल
8. अगला – पिछला
9. अग्रज – अनुज
10. अग्राह्य – ग्राह्य
11. अग्रिम – अन्तिम
12. अचल – चल
13. अच्छा – बुरा
14. अच्छाई – बुराई
15. अज्ञान – ज्ञान
16. अति – अल्प
17. अतिवृष्टि – अनावृष्टि
18. अतुकान्त – तुकान्त
19. अथ – इति

20. अधम – उत्तम
21. अनभिज्ञ – भिज्ञ
22. अनातुर – आतुर
23. अनाहूत – आहुत
24. अनित्य – नित्य
25. अनुकूल – प्रतिकूल
26. अनुरक्ति – विरक्ति
27. अनुलोम – विलोम
28. अनेक – एक
29. अनैतिहासिक – ऐतिहासिक
30. अपना – पराया

कक्षा 4 के लिए विलो

बादल का चित्र बनाओ ---

पाठ - 2

जैसा सवाल वैसा जवाब

शब्दार्थ :

जलते थे - ईष्र्या करते थे|

मुसीबत - परेशानी, समस्या।

तरीके - उपाय।

अभिमान - घमंड।

तूती बोलती थी - शासन चलता था।

छक्के छूटना - हिम्मत हार जाना।

कलई खुलना - भेद पता चलना।

अनुरोध - आग्रह।

नाक-भौंह सिकोड़ना - अनिच्छा व्यक्त करना।

पाठ्यपुस्तक से

तुम्हारी बात।

(क) ख्वाजा सरा के तीनों सवालों का क्या कोई और जवाब हो सकता है? अपने मन से सोचकर लिखो।
उत्तर: ख्वाजा सरा का पहला सवाल था-संसार का केन्द्र कहाँ है? इसका दूसरा जवाब हो सकता है आप जिस स्थान पर खड़े हैं वही संसार का केन्द्र है। उनका दूसरा सवाल था-आकाश में कितने तारे हैं? इसका दूसरा जवाब हो सकता है-आकाश में उतने ही तारे हैं जितने आपके सिर में बाल हैं। उनका तीसरा सवाल था-संसार की आबादी कितनी है? इसका दूसरा जवाब हो सकता है-ख्वाजा साहब पहले संसार के सभी लोगों को इकट्ठा करें फिर हम गिनकर आबादी बता देंगे।

(ख) अगर तुम ख्वाजी सरा की जगह पर होते तो बीरबल को हराने के लिए कौन-से सवाल पूछते?
उत्तर अगर मैं ख्वाजा सरा की जगह पर होता तो बीरबल को हराने के लिए निम्न सवाल पूछता

कुत्ते की दुम सीधी क्यों नहीं होती?
नोट-विद्यार्थी अन्य सवाल भी कर सकते हैं।

(ग) ख्वाजा सरा का बस चलता तो वे बीरबल को हिंदुस्तान से निकाल देते। अगर तुम्हारा बस चले तो तुम कौन-कौन सी इच्छाएँ पूरी करना चाहोगे?
उत्तर: मैं अपने देश से गरीबी और भुखमरी हटाकर उसे दुनिया का स्वर्ग बनाऊँगा।

बस
नीचे लिखे वाक्य पढ़ो-

- मैं बस में बैठकर स्कूल जाती हूँ।
- ख्वाजा सरा का बस चलता तो वे बीरबल को निकाल देते।
- बस! अब रुक जाओ।
- बस दो दिन की तो बात है। मैं आ जाऊँगी।

ऊपर लिखे वाक्यों में बस शब्द के अर्थ अलग-अलग हैं।
अब इसी तरह चल शब्द से वाक्य बनाओ।
(संकेत-चल, चल-चल, चला, चलें, चलना, चलती, चलो)
उत्तर: तू मेरे साथ चल। आज तो मैं चल-चल कर थक गया हूँ। लो, वह तो चला। अच्छा, अब हम चलें। क्या तुम्हें मेरे साथ चलना है? चलती ट्रेन से नहीं उतरना चाहिए। तुम मेरे साथ चलो।

(ख) बीरबल की तरह बहुत से अन्य व्यक्तियों की हाज़िरजवाबी के किस्से प्रसिद्ध हैं। उनके नाम पता करो।
उत्तर: उनके नाम हैं-तेनालीराम और लाल बुझक्कड़।

एक और शब्द
नीचे लिखे शब्दों की जगह और कौन-सा शब्द इस्तेमाल हो सकता है? खाली जगह में लिखो।
उत्तर:

बुद्धिमान	चतुर	मूर्ख	बेवकूफ
अभिमान	घमंड	विश्वास	भरोसा

संसार	दुनिया	कोशिश	प्रयत्न

मुहावरे

नीचे लिखे मुहावरों का इस्तेमाल तुम कब-कब कर सकते हो? आपस में चर्चा करो। अब इनका वाक्यों में इस्तेमाल करो।

- नाक-भौंह सिकोड़ना
- कलई खुलना

उत्तर: नाक-भौं सिकोड़ना-कहीं भी बाहर जाने के नाम पर वह नाक-भौं सिकोड़ने लगता है। कलई खुलना-चोरी की कलई खुलते ही वह धीरे से खिसक गया।

जैसा सवाल वैसा जवाब कहानी का सारांश

बादशाह अकबर अपने मंत्री बीरबल को बहुत पसंद करता था। इस कारण कुछ दरबारी बीरबल से जलते थे। वे बीरबल को मुसीबत में फंसाने के तरीके सोचते रहते थे। ख्वाजा सरा, जो अकबर के एक खास दरबारी थे, अपनी बुद्धि और विद्या के आगे बीरबल को निरा बालक और मूर्ख समझते थे। एक दिन उन्होंने बीरबल को मूर्ख साबित करने की ठान ली। बहुत सोच-विचार कर कुछ मुश्किल प्रश्न उन्होंने सोचा। उन्हें पूरा भरोसा था कि ऐसे प्रश्नों के उत्तर: बीरबल कभी नहीं दे पाएगा। फिर बादशाह के सामने उनकी (ख्वाजा सरा) अहमियत बढ़ जाएगी।

ख्वाजा सरा सीधे अकबर के पास पहुंचे। उन्हें तीन सवाल देकर उन्होंने कहा कि उनके जवाब बीरबल से पूछे ताकि उसके दिमाग की गहराई का पता चले। ख्वाजा के अनुरोध पर अकबर ने बीरबल को बुलाया और उनसे कहा कि परम ज्ञानी ख्वाजा साहब तुमसे तीन प्रश्न पूछना चाहते हैं। क्या तुम उनके उत्तर: दे सकते हो? बीरबल तुरंत तैयार हो गए। ख्वाजा का पहला प्रश्न था-संसार का केन्द्र कहाँ है? इसके जवाब में बीरबल ने तुरंत जमीन पर अपनी छड़ी गाड़कर उत्तर: दिया, "यही स्थान चारों ओर से दुनिया के बीचोंबीच पड़ता है।" ख्वाजा का दूसरा प्रश्न था-आकाश में कितने तारे हैं? बीरबल ने एक भेड़ मँगवाकर कहा कि इस भेड़ के शरीर में जितने बाल हैं, उतने ही तारे आकाश में हैं। बीरबल ने ख्वाजा साहब को चुनौती देते हुए कहा कि अगर उन्हें इसमें कुछ संदेह दिखाई पड़ता है तो वे बालों को गिनकर तारों की संख्या से तुलना कर सकते हैं। उनका तीसरा सवाल था-संसार की आबादी कितनी है? बीरबल ने तपाक से जवाब दिया-जहाँपनाह! संसार की आबादी पल-पल पर घटती-बढ़ती रहती है क्योंकि हर पल लोगों का मरना-जीना लगा ही रहता . है। इसलिए यदि सभी लोगों को एक जगह इकट्ठा किया जाए तभी उनको गिनकर ठीक-ठीक संख्या बताई जा सकती है। ख्वाजा साहब बीरबल के उत्तर:ो ं से संतुष्ट नहीं हुए। उन्होंने बीरबल से कहा कि ऐसे गोलमोल जवाबों से काम नहीं चलेगा। बीरबल ने कहा कि ऐसे सवालों के ऐसे ही जवाब होते हैं। ख्वाजा साहब आगे कुछ नहीं बोले।

पर्यायवाची शब्द

जिन शब्दों के अर्थ में समानता होती है, उन्हें पर्यायवाची शब्द कहते हैं।

कुछ पर्यायवाची शब्द यहाँ दिए जा रहे हैं -

धरती - पृथ्वी, भू, भूमि, वसुंधरा

आकाश - नभ, गगन, अम्बर, आसमान

जल - पानी, नीर, वारि

वायु - पवन, अनिल, समीर, हवा

अग्नि - अनल, आग, पावक, दहन

माँ - माता, जननी, अंबा

पिता - तात, परम, जनक

मित्र - सखा, सहचर, साथी, दोस्त

सूर्य - रवि, सूरज, दिवाकर

चांद - चंद्रमा, चन्द्र, शशि, राकेश

नदी - सरिता, तटीना, सरि

पर्वत - पहाड़, गिरी, अचल, नग, भूधर

पेड़ - वृक्ष, पादप , तरु

पक्षी - खग, चिडिया, नभचर

बगीचा - उद्यान, बाग़ , वाटिका , उपवन

पुष्प - फूल, सुमन, कुसुम, प्रसून

बादल - जलधर, जलद, वारिद, नीरद

आँख - लोचन, नयन, नेत्र, चक्षु

हाथ - हस्त, कर, पाणि

मानव - मनुष्य, आदमी, नर

शरीर - देह , काया , अंग, तन

विद्यालय - शिक्षालय, स्कूल, पाठशाला, मदरसा

घर - गृह, सदन, गभवन, निकेतन ,निवास

उपहार - भेंट, तोहफ़ा

विषय – हिंदी	पाठ का नाम	व्याकरण भाग	विषय अध्यापिका – DEEPTI	
जून एव जुलाई माह का पाठ्यक्रम	पाठ 3 किरमिच के गेंद पाठ 4 पापा जब बच्चे थे	संज्ञा एव सर्वनाम	पाठ से सम्बंधित सभी प्रश्न उत्तर	

पाठ 3

किरमिच की गेंद

शब्दार्थ ---

चिक	बॉस की तीलियों से बना बड़ा परदा।
बेल	लता

सुस्ता रही थीं आराम कर रही थीं।
चतुर होशियार। सहारा लेना-मदद लेना। आज़माया-जाँचा। गुट-समूह, दल।

कहानी की बात

(क) दिनेश की माँ मशीन चलाते-चलाते बोलीं, "बेटा, कहाँ जा रहे हो?" दिनेश की माँ कौन-सी मशीन चला रही होंगी? तुमने इस मशीन को कहाँ-कहाँ देखा है।

उत्तर: दिनेश की माँ सिलाई वाली मशीन चला रही होंगी। मैंने इस मशीन को अपने घर में और पड़ोस के घरों में देखा है।

(ख) दिनेश ने सारी सीताफल की बेल छान मारी। दिनेश क्या खोज रहा था? दिनेश को कैसे पता चला होगा कि क्यारी में वही चीज़ गिरी है?

उत्तर: दिनेश वह चीज खोज रहा था जिसकी धम से गिरने की आवाज उसने सुनी थी। दिनेश ने अनुमान लगाया होगा कि क्यारी में वही चीज़ गिरी है।

(ग) दिनेश अच्छी तरह जानता था कि गेंद दीपक की नहीं है। दिनेश को यह बात कैसे पता चली कि गेंद दीपक की हो ही नहीं सकती? दीपक बार-बार गेंद को अपनी क्यों बता रहा होगा।

उत्तर: दिनेश को पता था कि दीपक की गेंद पाँच महीने पहले खोई थी। और यह गेंद, बिल्कुल नई थी, चमचमाती हुई। दीपक की अपनी गेंद खो गई थी। इसलिए वह मिली हुई गेंद को हथियाना चाहता था।

गेंद किसकी

(क) दीपक ने गेंद को अपना बताने के लिए उसके बारे में कौन-कौन सी बातें बनाई?
उत्तर दीपक ने गेंद को अपना बताते हुए बोला-उसकी गेंद पाँच महीने पहले खो गई थी। उसकी गेंद पर ऐसा ही लाल | रंग का निशान था, जैसा इस गेंद पर है। उसकी गेंद के टप्पे से भी ऐसी ही आवाज आती थी। वह अपने पापा से भी कहलवा सकता है कि यह गेंद उसी की है।

(ख) अगर दीपक और दिनेश गेंद के बारे में फैसला करवाने तुम्हारे पास आते, तो तुम गेंद किसे देतीं? यह भी बताओ कि तुम यह फैसला किन बातों को ध्यान में रखकर करतीं?
उत्तर: मैं गेंद दिनेश को देती क्योंकि वह (गेंद) उसी को मिली थी। दीपक झूठ बोल रहा था। वह किसी भी तरह गेंद हथियाना चाह रहा था।

गेंद की कहानी

गेंद स्कूटर के साथ कहीं चली गई।
उसके बाद गेंद के साथ क्या-क्या हुआ होगा? सोचकर बताओ।
उत्तर: स्कूटर वाले के घर के बच्चे नई गेंद देखकर खुश हो गए होंगे। वे गेंद लेकर तुरंत खेलने चले गए होंगे।

पहचान

मान लो तुम्हारा कोई खिलौना घर में ही कहीं खो गया है। तुमने अपने साथियों को घर पर बुलाया है ताकि सब मिलकर उसे खोज लें। तुम अपने खिलौने की पहचान के लिए अपने साथियों को कौन-कौन सी बातें बताओगी? लिखो।

उत्तर: मान लो कि वह खिलौना गुड़िया है। पहचान के लिए मैं अपने साथियों को बताऊँगी कि यह जापानी गुड़िया है। जो बिजली से नाचती है। वह गुलाबी फ्रॉक पहनी है। उसके बाल घने, लंबे और काले हैं। उसकी आँखें इस समय बंद होंगी।

कहाँ

सामने की क्यारी में भिंडियों के ऊँचे-ऊँचे पौधे थे।

एक ओर सीताफल की घनी बेल फैली हुई थी।

सीताफल की बेल होती है और भिंडी का पौधा बताओ और कौन-कौन सी सब्ज़ियाँ बेल और पौधे पर लगती है।

बेल	पौधा
कद्दू	टमाटर
तोड़ी	बैंगन
करेला	मिर्च
ककड़ी	पपीता

मटर	

तरह-तरह की गेंदें

गेंदों के अनेक रंग-रूप होते हैं। अलग-अलग खेलों में अलग-अलग प्रकार की गेंदों का इस्तेमाल किया जाता है। नीचे दी गई जगह में खेलों के अनुसार गेदों की सूची बनाओ।

उत्तर:

क्रिकेट	किरमिच
हॉकी	रबड़
फुटबॉल	चमड़ा
बॉलिबाल	चमड़ा
टेनिस	प्लास्टिक

खोजो आस-पास

दिनेश चिक सरकाकर बरामदे की ओर भागा।

(क) चिक पर्दे का काम करती है पर चिक और पर्दे में फर्क होता है।
इन दोनों में क्या अंतर है? समूह में चर्चा करो।।
इसी तरह पता लगाओ कि इन शब्दों में क्या अंतर है?

- टहनी-तना
- पेड़-पौधा
- घूस-चूहा
- मुँडेर-चारदीवारी,

उत्तर: टहनी - पेड़ की डाली।
तना - पेड़ का मुख्य भाग जो काफी मोटा होता है। पेड़ - बड़ा और मजबूत होता है।
पौधा - छोटा और कमजोर होता है। घूस - घूस बड़ा होता है।
चूहा - चूहा छोटा होता है। मुँडेर - छत के चारों तरफ उठी दीवार मँडेर कहलाती है। यह अधिक ऊँची नहीं होती है।
चारदीवारी - घर या 'जमीन को चारों ओर से घेरने के लिए उठाई गई दीवार। यह अधिक ऊँची होती है।

प्रश्न (ख) चिक सरकंडे से भी बनती है और तीलियों से भी।
सरकंडे से और क्या-क्या बनता है? अपने आसपास पता करो और लिखो।
उत्तर: सूप चटाई कलम टोकरी , अनुशासन का ध्यान रखना होगा। मैनेजर की बात सभी को मानना होगा। खेल का अभ्यास करने के लिए प्रतिदिन शाम में आना होना। क्लब की देखभाल के लिए कुछ पैसे हर महीने देने होंगे। क्लब को सुचारु रूप से चलाने के लिए सबका सहयोग होना चाहिए क्लब को अच्छी तरह से चलाने के लिए कुछ नियमों की सख्त जरूरत होती है क्योंकि तभी वह ज्यादा दिनों तक टिक पाएगा।

एक, दो, तीन

दिनेश ने <u>तिमंजिली इमारत</u> की ओर देखा।
जिस इमारत में तीन मंज़िलें हों, उसे तिमंजिली इमारते कहते हैं।
बताओ, इन्हें क्या कहेंगे?

• जिस मकान में दो मंज़िलें हों	दुमंजिला मकान
• जिस स्कूटर में दो पहिए हों	दोपहिया स्कूटर
• जिस झंडे में तीन रंग हों	तिरंगा झंडा
• जिस जगह पर चार राहें मिलती हों	चौराहा
• जिस स्कूटर में तीन पहिए हों	तिपहिया स्कूटर

किरमिच की गेंद कहानी का सारांश

गर्मी की छुट्टियाँ थीं। दोपहर के समय दिनेश घर में बैठा कहानी पढ़ रहा था कि तभी बगीचे में धम से किसी चीज के गिरने की आवाज हुई। दिनेश तुरंत बगीचे की ओर दौड़ पड़ा। वहाँ उसने भिंडियों के पौधों को उलटा-पलटा, सीताफल की बेल छान मारी, परन्तु उसे कुछ मिला नहीं। ढूँढ़ते-ढूढ़ते अचानक उसकी निगाह घूस के गड्ढे के ऊपर गई। वहाँ एक नई चमचमाती किरमिच की गेंद पड़ी थी। उसने इधर-उधर देखा। सभी घरों के दरवाजे और खिड़कियाँ बंद थे। इसलिए दिनेश को लगा कि हो सकता है यह गेंद बाहर से आई हो।

तभी माँ की आवाज सुनकर वह गेंद उठा लिया और कमरे के अंदर आ गया। ठंडे फर्श पर बिछी चटाई पर लेटकर वह सोचने लगा-भले ही यह गेंद मोहल्ले में से किसी की न हो, किन्तु ईमानदारी इसी में है कि एकबार सबसे पूछ लिया जाएगा | गर्मी की छुट्टियाँ थीं। खेलने की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एक क्लब बनाया हुआ था। शाम को सारे बच्चे यहीं एकत्रित हुए। दिनेश ने सबसे पूछा-मुझे एक गेंद मिली है। अगर तुममें से किसी की गेंद खो गई हो, तो वह गेंद की पहचान बताकर गेंद मुझसे ले सकता है। अनिल, सुधीर, दीपक सभी ने गेंद पर अपना अधिकार जताना शुरू किया। लेकिन दिनेश अच्छी तरह जानता था कि यह गेंद तीनों में से किसी की नहीं है। फिर भी दीपक बार-बार कहे जा रहा था-गेंद मेरी है और सिर्फ मेरी है। अनिल उसकी बात काटते हुए बोल पड़ा-क्या सबूत है कि यह गेंद तेरी ही है? फिर दोनों में ठन गई। दिनेश ने देखा कि झगड़ा बढ़ रहा है। गेंद हथियाने के लिए दीपक सुधीर और सुनील का सहारा ले रहा है। वह जानता था कि यदि गेंद दीपक के पास चली गई तो ये तीनों मिलकर खेलेंगे। अंत में वह गेंद दिखा दिया लेकिन साथ में यह भी कहा कि जो पक्का सबूत देगा, वही गेंद ले जाएगा। गेंद देखते ही दीपक बोल पड़ा-यही मेरी गेंद है। यह लाल रंग का निशान मेरी ही गेंद पर था। लेकिन उसकी बात पर किसी को भरोसा नहीं हो रहा था। दीपक क्रोध में आ गया। उसने कहा-मैं इसे सड़क पर फेंक दूंगा। और उसने जैसे ही गेंद को सड़क पर फेंकने के लिए हाथ उठाया कि अनिल और दिनेश ने उसे पकड़ लिया। वास्तव में दिनेश का मन सबके साथ मिलकर उस गेंद से खेलने को कर रहा था। इसलिए उसने सबसे कहा-झगड़ा बाद में कर लेंगे। अपने-अपने बल्ले ले आओ, पहले खेल लें। पाँच मिनट के भीतर ही खेल आरंभ हो गया। दिनेश बल्लेबाजी कर रहा था। अभी दो-चार बार ही खेला था कि वह गेंद जोर से उछली और दरवाज़ा पार कर सड़क पर जाते हुए एक स्कूटर में बनी सामान रखने की जालीदार टोकरी में जा गिरी। तेज़ी से चलते हुए स्कूटर के साथ गेंद भी चली गई। बच्चे स्कूटर के पीछे भागे किंतु जल्दी ही रुक गए। वे समझ गए कि स्कूटर के पीछे भागना बेकार है। फिर वे सभी ठहाका मारकर हँस पड़े।

अलग अलग तरह की गेंद -

पाठ 4

पापा जब बच्चे थे

शब्दार्थ ---

1 दिलचस्प - रुचि , मनपसंद
2 वायुयान - हवाई जहाज
3 चालाक - होशियार
4 चौकीदार - घर की रखवाली करनेवाला
5 सुचारू - तरीके से ,ढंग से

शुरू-शुरू में पापा चौकीदार बनना चाहते थे।

(क) चौकीदार रात को भी काम करते हैं। इसके अलावा और कौन-कौन से कामों में रात को जागना पड़ता है?

पापा कई तरह के काम करना चाहते थे।

(ख) क्या तुम किसी व्यक्ति को जानते हो जो एक से ज़्यादा तरह के काम करता है? उस व्यक्ति के बारे में बताओ।

उत्तर *अस्पतालों में (डॉक्टर व नर्स), रेलवे स्टेशन तथा बस टर्मिनल में (रेलवे तथा बस कर्मचारी/वाहन चालक तथा कंडक्टर), पुलिस स्टेशन में (पुलिसवाले), बॉर्डर पर (फौजी) और कॉल-सेन्टर इत्यादि में रात को जागना पड़ता है।*

प्रश्न

(क) पापा ने जितने काम सोचे, उनमें से तुम्हें सबसे दिलचस्प काम कौन-सा लगता है? क्यों?

(ख) क्या तुम्हें भी घर में बताया जाता है कि तुम्हें बड़े होकर क्या काम करना है? कौन-कौन कहता है? क्या कहता है?

(ग) अपने मम्मी या पापा से पता करो कि वे जब बच्चे थे तब बड़े होकर क्या-क्या करने की सोचते थे।

(घ) अपने घर के किसी भी एक सदस्य से उसके काम के बारे में जानकारी हासिल करो।

- **पता करो उनके काम को किस नाम से जाना जाता है?**

• उस काम को अच्छी तरह करने के लिए कौन-कौन सी बातें मालूम होनी चाहिए?

• उन्हें अपने काम में किन बातों से परेशानी होती है?

उत्तर

(क) मुझे वायुयान चलाना सबसे दिलचस्प काम लगता है। वायुयान चलाते हुए मैं आसमान में उड़ने का मज़ा ले सकता हूँ और ऊपर से धरती, पर्वत, पेड़-पौधे, समुद्र, नदियाँ, झरनों का नज़ारा भी देख सकूँगा।

(ख) हाँ, मुझे घर में भी बताया जाता है कि बड़े होकर मुझे क्या बनना है? मम्मी कहती है, "डॉक्टर बनो" तथा पापा और दादा जी कहते हैं, "इंजीनियर बनो।"

(ग) मेरे पापा जब बच्चे थे, तब उन्हें क्रिकेट खेलने का काफ़ी शौक था। अतः वे बड़े होकर क्रिकेटर बनना चाहते थे। स्कूल में जब बच्चे टीचर का कहना मानते थे, तब पापा ने टीचर बनने की सोची। मम्मी बड़ी होकर अध्यापिका ही बनना चाहती थीं। आज वे अध्यापिका ही हैं।

(घ)

• मेरे अंकल एक ऑफ़िस में काम करते हैं। उन्हें क्लर्क के नाम से जानते हैं।

• उस काम के लिए उन्हें हिन्दी-अंग्रेजी टाइपिंग आना, कंप्यूटर चलाना और तरह-तरह के पत्र लिखना आना चाहिए।

• जब वे किसी कार्य को कर रहे होते हैं और बीच में कोई दूसरा काम लेकर पहुँच जाता है, तब उन्हें परेशानी होती है। कभी-कभी फाइलें ढूढ़ने में भी परेशानी होती है।

प्रश्न *अफ़सर के जाने के बाद पापा बहुत सोचते रहे। बताओ, वह क्या-क्या सोच रहे होंगे? सही (✓) का निशान लगाओ।*

1. यह अफ़सर आखिर है कौन?

2. अब मैं रोज़-रोज़ अपना इरादा नहीं बदल सकता।

3. कुत्ता बनना बड़ा कठिन काम है।

4. ये फ़ौजी अफ़सर मुझ पर हँसा क्यों नहीं, बाकी सब तो हँसते हैं।

5. इस अफ़सर को कुत्ता बनना नहीं आता। इसलिए मुझे बहका रहा है।

6. ……।

7. ……।

उत्तर

1. यह अफ़सर आखिर है कौन? (✗)

2. अब मैं रोज़-रोज़ अपना इरादा नहीं बदल सकता। (✓)

3. कुत्ता बनना बड़ा कठिन काम है। (✓)

4. ये फ़ौजी अफ़सर मुझ पर हँसा क्यों नहीं, बाकी सब तो हँसते हैं। (✓)

5. इस अफ़सर को कुत्ता बनना नहीं आता इसलिए मुझे बहका रहा है। (✗)

6. मुझे पता नहीं कि इंसान किसे कहते हैं । (✓)

7. मैं इंसान बनना चाहता हूँ। (✓)

प्रश्न 1

पापा ने कहा, "अपना ठेला मैं स्टेशन के पास ही खड़ा करूँगा।"

(क) अगर तुम पापा की जगह होतीं तो ठेला कहाँ लगातीं? ऐसा तुमने क्यों तय किया?

(ख) अगर तुम रेल से सफ़र करोगी तो तुम्हें प्लेटफ़ॉर्म और रेलगाड़ी में कौन-कौन लोग नज़र आएँगे?

उत्तर

(क) मैं ठेले को बाज़ार या बहुत ज़्यादा आबादी वाले स्थान पर लगाती क्योंकि वहाँ बिक्री ज़्यादा होती है।

(ख) अगर मैं रेल से सफ़र करती तो रेलगाड़ी में टिकट-चेकर, कुली, मुसाफ़िर, सिपाही तथा सामान बेचने वाले नज़र आएँगे।

प्रश्न 2

पापा के पापा को दादा कहते हैं। इन्हें तुम अपने घर में क्या कहकर बुलाओगी?

पापा के पापा	.....	माँ के पापा	.....
पापा की माँ	.....	माँ की माँ	.....
पापा के बड़े भाई	.....	माँ के भाई	.....
पापा की बहन	.....	माँ की बहन	.....
पापा के छोटे भाई	.....	बहन के पति	.....

उत्तर

	दादा		
पापा के पापा	जी,	माँ के पापा	नाना जी
पापा की माँ	दादी जी	माँ की माँ	नानी जी
पापा के बड़े भाई	ताऊ जी	माँ के भाई	मामा जी
पापा की बहन	बुआ जी	माँ की बहन	मौसी जी

पापा के छोटे भाई			चाचा जी	बहन के पति	जीजा जी

प्रश्न 2

पापा को वायुयान चालक बनने की सूझी। इसके बाद उन्होंने **अभिनेता बनने की सोची। इसके अलावा** वह **जहाज़ी भी बनना चाहते थे।**

ऊपर के वाक्यों में उन्होंने **और** वह **का इस्तेमाल** पापा **की जगह पर हुआ है। हम अक्सर एक ही शब्द को दोहराने की बजाय उसकी जगह किसी दूसरे शब्द का इस्तेमाल करते हैं।** मैं, तुम, इस **भी ऐसे ही शब्द हैं।**

(क) पाठ में से ऐसे शब्दों के पाँच उदाहरण छाँटो।

(ख) इनकी मदद से वाक्य बनाओ।

उत्तर

(क) . पापा जब बच्चे थे, तो उनसे **अक्सर पूछा जाता था।** उन्हें **पक्का यकीन था कि बड़े होकर वह चौकीदार ही बनेंगे।** उनका **जवाब हर बार अलग होता था।** यह **सचमुच समस्या थी। पापा ने पूछा,** "मुझे **तो नहीं पता। उनसे- मैंने** उनसे **कुछ नहीं पूछा उन्हें- कल** उन्हें **घर आना है उनका-** उनका **खाना दे आओ यह-** यह **मेरा घर है उसे-** उसे **पढ़ना अच्छा लगता है। मुझे-** मुझे **चाय दो। मैं-** मैं **भी आऊँगा। तुम-** तुम **यहाँ आओ। इस-** इस **तरफ़ चलो।**

प्रश्न 2 सभी बच्चे और बड़े किसी न किसी काम में माहिर होते हैं। कोई साइकिल चलाने में होशियार होता है तो कोई चित्र बनाने में तेज़ होता है। तुम्हारे दोस्तों और परिवार में कौन किस काम में माहिर है? उनके नाम लिखो।

• जो बढ़िया कहानी गढ़ सकते हैं	....
• जो खूबसूरत कढ़ाई कर सकते हैं	....
• जो कलाबाज़ियाँ खा सकते हैं	....
• जो दूसरों की बढ़िया नकल उतार सकते हैं	....
• जो हाथ से बढ़िया स्वेटर बुन सकते हैं	....
• जो सबके सामने किसी चीज़ के बारे में दो मिनट तक बता सकते हैं	....
• जो कठिन पहेलियाँ सुलझा सकते हैं	....
• जो खुलकर ज़ोर से हँस सकते हैं	....
• जो तरह-तरह की आवाज़ें बना सकते हैं	....
• जो अंदाज़े से ही चीज़ों का सही माप या वज़न बता सकते हैं	....
• जो बढ़िया अभिनय कर सकते हैं	....

• जो बेकार पड़ी चीज़ों से सुंदर चीज़ें बना सकते हैं	.....

उत्तर इस प्रश्न के उत्तर में छात्र अपने दोस्त व परिवार वालों के नाम इस प्रकार लिख सकते हैं-

• जो बढ़िया कहानी गढ़ सकते हैं	दादी जी
• जो खूबसूरत कढ़ाई कर सकते हैं	दादी जी
• जो कलाबाज़ियाँ खा सकते हैं	मेरा दोस्त सौरभ
• जो दूसरों की बढ़िया नकल उतार सकते हैं	चाचा जी
• जो हाथ से बढ़िया स्वेटर बुन सकते हैं	दादी जी, माँ
• जो सबके सामने किसी चीज़ के बारे में दो मिनट तक बता सकते हैं	दादा जी, पापा
• जो कठिन पहेलियाँ सुलझा सकते हैं	दादा जी,
• जो खुलकर ज़ोर से हँस सकते हैं	दादा जी,
• जो तरह-तरह की आवाज़ें बना सकते हैं	चाचा जी
• जो अंदाज़े से ही चीज़ों का सही माप या वज़न बता सकते हैं	दादा जी, दादी
• जो बढ़िया अभिनय कर सकते हैं	चाचा जी
• जो बेकार पड़ी चीज़ों से सुंदर चीज़ें बना सकते हैं	भइया, दीदी, मैं

प्रश्न 1 *नीचे लिखी पंक्तियाँ पढ़ो। इन पंक्तियों के आधार पर बताओ कि तुम पापा के बारे में क्या सोचती हो?*

उत्तर *(क) पापा के पास जवाब हमेशा तैयार होता था।*

ऐसा लगता है कि पापा बहुत चतुर थे। (ख) पापा का जवाब हमेशा अलग-अलग होता था। ऐसा लगता है कि पापा भ्रम में पड़ जाते थे। (ग) मैं छोटे बच्चों को मुफ़्त में आइसक्रीम दिया करूँगा।ऐसा लगता है कि बच्चों को बहुत प्यार करते थे। (घ) रात में करने के लिए होता ही क्या है? रात में मैं चौकीदारी करूँगा। ऐसा लगता है कि पापा हमेशा काम करना चाहते थे।

गतिविधि ---

व्याकरण भाग संज्ञा

संज्ञा किसे कहते है ?

किसी भी व्यक्ति, वस्तु, जाति, भाव या स्थान के नाम को ही संज्ञा कहते हैं। जैसे – मनुष्य (जाति), अमेरिका, भारत (स्थान), बचपन, मिठास(भाव), किताब, टेबल(वस्तु) आदि।

संज्ञा के भेद

संज्ञा के पांच भेद होते हैं:

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा
2. भाववाचक संज्ञा
3. जातिवाचक संज्ञा
4. द्रव्यवाचक संज्ञा
5. समूहवाचक या समुदायवाचक संज्ञा

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा

जो शब्द केवल एक व्यक्ति, वस्तु या स्थान का बोध कराते हैं उन शब्दों को व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे- भारत, चीन (स्थान), किताब, साइकिल (वस्तु), सुरेश,रमेश,महात्मा गाँधी (व्यक्ति) आदि।

व्यक्तिवाचक संज्ञा के उदाहरण

- रमेश बाहर खेल रहा है।
- महेंद्र सिंह धोनी क्रिकेट खेलते हैं।
- मैं भारत में रहता हूँ।
- महाभारत एक महान ग्रन्थ है।
- अमिताभ बच्चन कलाकार हैं।
- अंग्रेजी दुनिया में सबसे ज़्यादा बोली जाने वाली भाषा है।

ऊपर दिए गए वाक्यों में रमेश, महेंद्र सिंह धोनी, भारत, महाभारत, व अमिताभ बच्चन संज्ञा शब्द कहलायेंगे क्योंकि ये शब्द किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु या स्थान का बोध कराते हैं।

व्यक्तिवाचक संज्ञा के बारे में विस्तार से पढ़ने के लिए यहाँ क्लिक करें – व्यक्तिवाचक संज्ञा।

2. जातिवाचक संज्ञा

जो शब्द किसी व्यक्ति, वस्तु या स्थान की संपूर्ण जाति का बोध कराते हैं, उन शब्दों को जातिवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे- मोबाइल, टीवी (वस्तु), गाँव, स्कूल (स्थान), आदमी, जानवर (प्राणी) आदि।

जातिवाचक संज्ञा के अन्य उदाहरण

- स्कूल में बच्चे पढ़ते हैं।
- बिल्ली चूहे खाती है।
- पेड़ों पर पक्षी बैठे हैं
- हिरन का शेर शिकार करते हैं।
- सड़क पर गाड़ियां चलती हैं।
- सभी प्रजातियों में से मनुष्य सबसे बुद्धिमान हैं।

ऊपर दिए गए वाक्यों में बच्चे, चूहे, पक्षी,हिरन, गाड़ियां एवं प्रजाति आदि जातिवाचक संज्ञा शब्द कहलायेंगे क्योंकि ये किसी विशेष बच्चे या पक्षी का बोध न कराकर सभी बच्चो व पक्षियों का बोध करा रहे हैं।

जातिवाचक संज्ञा के बारे में विस्तार से पढ़ने के लिए यहाँ क्लिक करें – जातिवाचक संज्ञा।

3. भाववाचक संज्ञा

जो शब्द किसी चीज़ या पदार्थ की अवस्था, दशा या भाव का बोध कराते हैं, उन शब्दों को भाववाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे- बचपन, बुढ़ापा, मोटापा, मिठास आदि।

भाववाचक संज्ञा के उदाहरण

- ज्यादा दोड़ने से मुझे थकान हो जाती है।
- लगातार परिश्रम करने से सफलता मिलेगी।
- तुम्हारी आवाज़ में बहुत मिठास है।
- मुझे तुम्हारी आँखों में क्रोध नज़र आता है।
- लोहा एक कठोर पदार्थ है।

ऊपर दिए गए वाक्यों में थकान से थकने का भाव व सफलता से सफल होने का भाव, मिठास से मीठे होने का एवं क्रोध से क्रोधित होने का भाव व्यक्त हो रहा है इसलिए ये भाववाचक संज्ञा शब्द हैं।

भाववाचक संज्ञा के बारे में विस्तार से पढ़ने के लिए यहाँ क्लिक करें – भाववाचक संज्ञा।

4. द्रव्यवाचक संज्ञा (drvya vachak sangya in hindi)

जो शब्द किसी धातु या द्रव्य का बोध करते हैं, द्रव्यवाचक संज्ञा कहलाते हैं। जैसे- कोयला, पानी, तेल, घी आदि।

द्रव्यवाचक संज्ञा के उदाहरण (drvya vachak sangya examples in hindi)

- मेरे पास सोने के आभूषण हैं।
- एक किलो तेल लेकर आओ।
- मुझे दाल पसंद है।
- मुझे चांदी के आभूषण बहुत पसंद हैं।
- लोहा एक कठोर है।
- दूध पीने से ताकत बढ़ती है।

ऊपर दिए गए वाक्यों में सोने, तेल और दाल शब्दों से किसी द्रव्य का बोध हो रहा है इसलिए ये द्रव्यवाचक संज्ञा कहलाते हैं।

द्रव्यवाचक संज्ञा के बारे में विस्तार से पढ़ने के लिए यहाँ क्लिक करें – द्रव्यवाचक संज्ञा।

5. समुदायवाचक संज्ञा

जिन संज्ञा शब्दों से किसी भी व्यक्ति या वस्तु के समूह का बोध होता है, उन शब्दों को समूहवाचक या समुदायवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे- भीड़, पुस्तकालय, झुंड, सेना आदि।

समुदायवाचक संज्ञा के उदाहरण

- भारतीय सेना दुनिया की सबसे बड़ी सेना है।
- कल बस स्टैंड पर भीड़ जमा हो गयी।
- मेरे परिवार में चार सदस्य हैं।
- हाथी हमेशा झुण्ड में सफर करते हैं।
- कालेधन पर शुरू होते ही सभा में सन्नाटा छा गया।

ऊपर दिए गए वाक्यों में सेना, भीड़ व परिवार एक समूह का बोध करा रहे हैं इसलिए ये समुदायवाचक संज्ञा कहलायेंगे।

समुदायवाचक संज्ञा के बारे में विस्तार से पढ़ने के लिए यहाँ क्लिक करें – समुदायवाचक संज्ञा।

संज्ञा से सम्बंधित यदि आपका कोई भी सवाल या सुझाव है, तो आप उसे नीचे कमेंट में लिख सकते हैं।

2 सर्वनाम -----

सर्वनाम की परिभाषा:

संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्दों को सर्वनाम कहा जाता है। सर्वनाम संज्ञाओं की पुनरावृति रोककर वाक्यों को सौंदर्ययुक्त बनता है।

सर्वनाम के उदाहरण:

आइये कुछ उदाहरणों के द्वारा सर्वनाम को विस्तार से समझते हैं। नीचे लिखे वाक्यों को ध्यानपूर्वक देखे – :

1. पेड़-पौधे प्रकाश-संश्लेषण की क्रिया के दरम्यान ऑक्सीजन मुक्त करते हैं।
2. पेड़-पौधे पर्यावरण को संतुलित बनाये रखते हैं।
3. पेड़-पौधे विभिन्न जीवों को आश्रय प्रदान करते हैं।
4. पेड़-पौधे भू-क्षरण को रोकते हैं।
5. पेड़-पोधो से हमें फल-फूल, दवाएँ, इमारती लकड़ी आदि मिलते हैं।

अब इन वाक्यों पर गौर करें -:

1. पेड़-पौधे प्रकाश-संश्लेषण की क्रिया के दरम्यान ऑक्सीजन मुक्त करते हैं।
2. वे पर्यावरण को संतुलित बनाये रखते हैं।
3. वे विभिन्न जीवों को आश्रय प्रदान करते हैं।
4. वे भू-क्षरण को रोकते हैं।
5. उनसे हमें फल-फूल, दवाएँ, इमारती लकड़ी आदि मिलते हैं।

आपने क्या देखा? प्रथम पांच वाक्यों में संज्ञा 'पेड़-पौधे' दुहराए जाने पर वाक्य भद्दे हो गए, जबकि नीचे के पांच वाक्य सुन्दर हैं। आपने यह भी देखा होगा की 'वे' और 'उनसे' पद पेड़-पौधे की और संकेत करते हैं। अतः उक्त वाक्यों में 'वे' और 'उनसे' सर्वनाम हैं।

मूलतः सर्वनामों की संख्या ग्यारह है –

मैं, तू, आप, यह, वह, जो, सो, कौन, कोई और कुछ आदि।

सर्वनाम के भेद:

सर्वनाम के पांच भेद होते हैं –

1. पुरुषवाचक सर्वनाम
2. निजवाचक सर्वनाम
3. निश्चयवाचक सर्वनाम
4. अनिश्चयवाचक सर्वनाम
5. प्रश्नवाचक सर्वनाम
6. सम्बन्धवाचक सर्वनाम

1. पुरुषवाचक सर्वनाम

जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग वक्ता द्वारा खुद के लिए या दुसरो के लिए किया जाता है, उसे पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं।

जैसे – मैं, हम (वक्ता द्वारा खुद के लिए), तुम और आप (सुनने वाले के लिए) और यह, वह, ये, वे (किसी और के बारे में बात करने के लिए) आदि।

पुरुषवाचक सर्वनाम के उदाहरण:

नीचे लिखे उदाहरणों को देखें –

- मैं फिल्म देखना चाहता हूँ।
- मैं घर जाना चाहती हूँ।
- आप कहते हैं तो ठीक ही होगा।
- तुम जब तक आये तब तक वह चला गया।
- आजकल आप कहाँ रहते हैं।
- वह पढने में बहुत तेज है।
- यह व्यक्ति विश्वसनीय नहीं है।

पुरुषवाचक सर्वनाम के भेद

पुरुषवाचक सर्वनाम के तीन भेद होते हैं -:

1. उत्तमपुरुष : जिन शब्दों का प्रयोग बोलने वाला खुद के लिए करता है। इसके अंतर्गत मैं, मेरा, मेरे, मेरी, मुझे, मुझको, हम, हमें, हमको, हमारा, हमारे, हमारी आदि आते हैं। जैसे – मैं फुटबॉल खेलता हूँ। हम दो, हमारे दो।
2. मध्यम पुरुष : जिन शब्दों का प्रयोग सुनने वाले के लिए किया जाता है। इसके अंतर्गत तू, तुझे, तुझको, तेरा, तेरे, तेरी, तुम, तुम्हे, तुमको, तुम्हारा, तुम्हारे, तुम्हारी, आप आदि आते हैं। जैसे – तुम बहुत अच्छे हो।
3. अन्य पुरुष : जिन शब्दों का प्रयोग किसी तीसरे व्यक्ति के बारे में बात करने के लिए होता है। इसके अंतर्गत यह, वह, ये, वे आदि आते हैं। इनमें व्यक्तिवाचक संज्ञा के उदाहरण भी शामिल हैं।

(पुरुषवाचक सर्वनाम के बारे में गहराई से जानने के लिए यहाँ क्लिक करें – पुरुषवाचक सर्वनाम – भेद, उदाहरण)

2. निजवाचक सर्वनाम

जिन शब्दों का प्रयोग वक्ता किसी चीज़ को अपने साथ दर्शाने या अपनी बताने के लिए करता है, वे निजवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।

निजवाचक सर्वनाम के उदाहरण:

जैसे-:

- मैं अपने कपडे स्वयं धो लूँगा।
- मैं वहां अपने आप चला जाऊंगा।
- मैं सुबह जल्दी उठता हूँ।
- अपने देश की सेवा करना ही मेरा लक्षय है।
- वहां जो गाडी खड़ी है वह मेरी है।

ऊपर दिए वाक्यों में वक्ता ने खुद के लिए स्वयं और अपने आप का प्रयोग कामों को खुद से जोड़ने के लिए किया।

जहाँ 'आप' शब्द का प्रयोग श्रोता के लिए हो वहाँ यह आदर-सूचक मध्यम पुरुष होता है और जहाँ 'आप' शब्द का प्रयोग अपने लिए हो वहाँ निजवाचक होता है।

(निजवाचक सर्वनाम के बारे में गहराई से पढने के लिए यहाँ क्लिक करें – निजवाचक सर्वनाम – परिभाषा, उदाहरण)

3. निश्चयवाचक सर्वनाम

जिन सर्वनाम शब्दों से किसी वस्तु, व्यक्ति या स्थान की निश्चितता का बोध हो वे शब्द निश्चयवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।

निश्चयवाचक सर्वनाम के उदाहरण:

जैसे -: यह, वह आदि।

- यह कार मेरी है।
- वह मोटरबाइक तुम्हारी है।
- ये पुस्तकें मेरी हैं।
- वे मिठाइयाँ हैं।
- यह एक गाय है।
- वह एक बार फिर प्रथम आया।

ऊपर दिए वाक्यों में यह, वह, ये, वे आदि का इस्तेमाल वस्तु, व्यक्ति आदि की निश्चितता का बोध कराने के लिए किया गया है अतः ये निश्चयवाचक सर्वनाम कहलायेंगे।

(निश्चयवाचक सर्वनाम के बारे में गहराई से पढने के लिए यहाँ क्लिक करें – निश्चयवाचक सर्वनाम – भेद, उदाहरण)

4. अनिश्चयवाचक सर्वनाम

जिन सर्वनाम शब्दों से वस्तु, व्यक्ति, स्थान आदि की निश्चितता का बोध नही होता वे अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।

अनिश्चयवाचक सर्वनाम के उदाहरण:

जैसे-: कुछ, कोई आदि।

- मुझे कुछ खाना है।
- मेरे खाने में कुछ गिर गया।
- मुझे बाज़ार से कुछ लाना है।
- कोई आ रहा है।
- मुझे कोई नज़र आ रहा है।
- तुमसे कोई बात करना चाहता है।
- किसी ने तुम्हारे लिए ये भेजा है।

ऊपर दिए गए वाक्यों में वक्ता सिर्फ अंदाजा लगा रहा है लेकिन हमे कस्तू या व्यक्ति की निश्चितता का बोध नहीं हो रहा है। अतः कुछ, कोई आदि शब्द अनिश्चयवाचक सर्वनाम की श्रेणी में आते हैं।

(अनिश्चयवाचक सर्वनाम के बारे में गहराई से पढने के लिए यहाँ क्लिक करें – अनिश्चयवाचक सर्वनाम – परिभाषा, उदाहरण)

5. प्रश्नवाचक सर्वनाम

जिन शब्दों का प्रयोग किसी वस्तु, व्यक्ति आदि के बारे में कोई सवाल पूछने या उसके बारे में जान्ने के लिए किया जाता है उन शब्दों को प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते हैं।

प्रश्नवाचक सर्वनाम के उदाहरण:

जैसे- कौन, क्या, कब, कहाँ आदि।

- देखो तो कौन आया है?
- आपने क्या खाया है?
- मैं जानना चाहत हूँ की तुम कौन हो।
- तुम बाज़ार से क्या लाये हो ?
- वर्तमान में तुम क्या करते हो ?
- आप क्या करना बेहद पसंद करते हैं।

ऊपर दिए वाक्यों में 'कौन' तथा 'क्या' शब्दों का प्रयोग करके किसी व्यक्ति या वस्तु के बारे में जानने की कोशिश की जा रही है। अतः ये प्रश्नवाचक सर्वनाम की श्रेणी में आएंगे।

(प्रश्नवाचक सर्वनाम के बारे में गहराई से पढने के लिए यहाँ क्लिक करें – प्रश्नवाचक सर्वनाम – परिभाषा, उदाहरण)

6. सम्बन्धवाचक सर्वनाम

जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग किसी वस्तु या व्यक्ति का सम्बन्ध बताने के लिए किया जाए वे शब्द सम्बन्धवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।

सम्बन्धवाचक सर्वनाम के उदाहरण:

जैसे :- जो-सो, जैसा-वैसा आदि।

- जैसी करनी वैसी भरनी।
- जो सोवेगा सो खोवेगा जो जागेगा सो पावेगा।
- जैसा बोओगे वैसा काटोगे।

ऊपर दिए वाक्यों में 'जो-सो' व 'जैसे-वैसे' शब्दों का प्रयोग करके किसी वस्तु या व्यक्ति में सम्बन्ध बताया जा रहा है। अतःये शब्द सम्बन्धवाचक सर्वनाम की श्रेणी में आते हैं।

(सम्बन्धवाचक सर्वनाम के बारे में गहराई से पढने के लिए यहाँ क्लिक करें – सम्बन्धवाचक सर्वनाम – परिभाषा, उदाहरण)

सर्वनाम से सम्बंधित यदि आपका कोई भी सवाल या सुझाव है, तो आप उसे नीचे कमेंट में लिख सकते हैं।